भूमिका –

हिंदी सिनेमा में जब हम कला-सिनेमा या यथार्थवादी या समानांतर सिनेमा की बात करते हैं तो अभिनय के क्षेत्र में शबाना आज़मी के अभिनय की महत्ता तथा उसकी प्रासंगिकता हमारे समाज में प्रमुख रूप से विद्यमान है। शबाना आज़मी अपने मौलिक एवं सशक्त अभिनय के लिए जानी जाती हैं। यदि उनके अभिनय की बात करें तो हम देखते हैं कि वह अपने समय की अभिनेत्रियों से काफी आगे नज़र आती हैं, चाहे फिल्म 'अंकुर' हो जो इनकी पहली फिल्म थी। इन्होंने अपने अभिनय की संजीदगी के कारण फिल्मों के साथ-साथ अपने कैरियर को भी ऊँचाई पर पहुंचाया। उनके व्यक्तित्व की सबसे खास बात यह है कि उन्होंने अभिनय के लिए कोई सीमा निर्धारित नहीं की। वह विविध प्रकार की भूमिकाओं में अभिनय कीं। इसका प्रमाण उनकी फिल्में है, जहाँ वह 'अंकुर', 'अर्थ, 'खंडहर', 'पार' जैसी कला फिल्मों में अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया, वही 'गॉडमदर' सरीखी कामर्शियल फिल्म में अभिनय का लोहा मनवा कर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार पाने में सफल रहीं। वह अपने करियर के चालीस वर्षो में सर्वाधिक पाँच बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार तथा चार बार फिल्म फेयर अवार्ड से सम्मानित हो चुकी हैं। शबाना आज़मी की प्रासंगिकता आज भी सामाजिक मंचों पर उनके द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यों के कारण बनी हुई है। यदि उनके कार्यों कि महत्ता की बात करें तो हम देखते हैं कि एक तरफ जहाँ वह अपने सशक्त अभिनय से चरित्र को जीती हैं जिसमें सामाजिक मूल्यों पर बनी फिल्मों में उनके द्वारा निभाया गया चरित्र आम एवं खास लोगों पर अपना प्रभाव छोड़ता है। वहीं उनके द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यों का अपना महत्व है।

प्रस्तुत शोध विषय के **प्रथम अध्याय** में हमने **फिल्मों पर** समाज के प्रभाव को रेखांकित किया है तथा इसी अध्याय के दूसरे खंड में समाज पर फिल्मों के प्रभाव की चर्चा की गई है।

द्वितीय अध्याय के प्रथम खंड में अभिनेत्री के रूप में शबाना आज़मी का परिचय तथा दूसरे खंड में शबाना आज़मी के सामाजिक कार्यों पर प्रकाश डाला है।

तृतीय अध्याय में शबाना आज़मी अभिनीत चयनित फिल्मों जिसमे 'अंकुर', 'अर्थ', 'फायर', तथा 'गॉडमदर' को शबाना के अभिनय के दृष्टिकोंण से रेखांकित किया है। **चतुर्थ अध्याय** में शबाना अभिनीत कुछ फिल्मों का परिचय दिया गया है।

मैनें अपना लघु शोध प्रबंध "शबाना आज़मी के अभिनय का स्वरूप और उनकी फिल्में" पर अपनी शोध निर्देशिका डॉ.विधुखरे दास जी के निरंतर मार्गदर्शन में रहकर पूरा किया,जिसके लिए मैं ह्रदय से उनका आभार व्यक्त करता हूँ। इनके साथ-साथ विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुरेश शर्मा जी तथा एसोसिएट प्रोफेसर ओमप्रकाश भारती जी को भी धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने जरूरत पड़ने पर मेरी सहायता की। इसी क्रम में मैं अपने सहपाठी मित्रों का भी आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने मेरी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से लघु शोध प्रबंध पूरा करने में सहायता की।

अंत में मैं अपने माता-पिता का विशेष आभार व्यक्त करना चाहता हूँ जिनके सहयोग ने मुझे यहाँ तक पहुंचाया।

अशोक कुमार यादव